FEBRUARY
29
SATURDAY

Important Works	Appointments	Phones
रखने के	लिये किया जाता	है।
	Blackstone	के अनुसार,
इस प्रकार	की स्वतन्त्रता	तीन दिशाओं
में रहती है —		

(1) न केवल स्वास्थ्य और जीवन, बल्कि प्रतिष्ठा की भी व्यक्तिगत सुरक्षा।

(2) विशेषकर घूमने-फिरने की वैयक्तिक स्वतन्त्रता

(3) निजी सम्पत्ति या सभी उपलब्धियों का मुक्त धारण उपयोग व व्ययन।

Sir Earnest Barker, जो व्यक्तिगत स्वतन्त्रता और सामाजिक स्वतन्त्रता में तादात्म्य करता है, कहता है कि ऐसी स्वतन्त्रता के अन्तर्गत कुछ विभिन्न रूपों में अभिव्यक्त करते आती हैं —

(1) जीवन, स्वास्थ्य के लिये संकट और आघात से भौतिक स्वतन्त्रता एवं शरीर के संचलन की स्वतन्त्रता

(2) विचार और विश्वास की अभिव्यक्ति के लिये बौद्धिक स्वतन्त्रता, और

(3) अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करने व अन्य व्यक्तियों के साथ संविदात्मक कार्य और संबंधों के सामान्य क्षेत्र में विकल्प के उपयोग की व्यावहारिक स्वतन्त्रता।

MARCH 1 SUNDAY

व्यक्ति की वैयक्तिकता का उचित आदर होना चाहिये, इसमें सन्देह नहीं है परन्तु फिर भी यह निश्चय करना सरल नहीं है कि कौन-2 से कार्य व्यक्ति के व्यक्तित्व से संबंधित हैं, जिनके विषय में उसे स्वतन्त्रता प्राप्त होनी चाहिये। उदाहरणार्थ, व्यक्तिगत स्वतन्त्रता के विचार के अनुसार व्यक्ति को भोजन के विषय में पूर्ण स्वतन्त्रता होनी चाहिये, अथवा वस्त्रों के प्रयोग

1992

Important Works | Appointments | Phones

FEBRUARY 27 THURSDAY

सामा० व्यक्तिगत स्वतन्त्रता और न्याय :— (Ishan, Oprah, Reena, Sandhi, Chavba, Pooja)

अ व्यक्तिगत स्वतन्त्रता (Individual freedom)

यद्यपि स्वतन्त्रता का पर्यायवाची शब्द अंग्रेजी शब्द के 'Liberty' लैटिन के 'Liber' से निकला है, जिसका अर्थ है "स्वतन्त्र", पाश्चात्य राज० दर्शन के क्षेत्र में सभी व्यक्तियों के लिये इसका समान अर्थ नहीं है। यदि मिल के विचार में स्वतन्त्रता कम से कम मानव गतिविधियों के आत्म-संबंधी क्षेत्र में प्रतिबन्धों से उन्मुक्त कोई वस्तु है तो Laski के अनुसार वह ऐसे वातावरण को उत्साहपूर्वक बनाये रखना है जिसमें मनुष्य अपना यथासंभव सर्वोत्तम विकास कर सकते हैं। मानपरक राज० सिद्धान्त के अन्य महत्वपूर्ण तत्वों की तरह स्वतन्त्रता के विचार की भी कठोर शब्दों में परिभाषा नहीं की जा सकी। सकती।

मनुष्य समाज में रहता है, अतः समाज के कल्याण की दृष्टि से यदि उनकी उन कार्यों से संबंधित स्वतन्त्रता पर अंकुश लगाया जाये, जिनका प्रभाव समाज के अन्य व्यक्तियों पर पड़ता हो, तो वह अनुचित नहीं है। परन्तु उनके उन कार्यों पर कोई नियन्त्रण नहीं होना चाहिये, जिनका संबंध केवल उसके ही व्यक्तित्व से हो।

J. S. मिल व्यक्तिगत स्वतन्त्रता का समर्थन करते हुये कहता है, "मानव समाज को केवल आत्मरक्षा के उद्देश्य से ही किसी व्यक्ति की स्वतन्त्रता में व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से हस्तक्षेप करने का अधिकार हो सकता है। अपने ऊपर अपने शरीर, मस्तिष्क और आत्मा पर व्यक्ति सम्प्रभु

विल्डडब्ल्यू कहता है, "स्वतन्त्रता

Important Works	Appointments	Phones

के विषय में पूर्ण स्वतन्त्रता होनी चाहिए
या धर्म के आचरण के विषय में पूर्ण
स्वतन्त्रता होनी चाहिये। किन्तु कभी
ऐसे अवसर भी आ सकते हैं, जब
राज्य को सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित की
दृष्टि से भोजन संबंधी स्वतन्त्रता पर
नियंत्रण लगाने पड़े अथवा सार्वजनिक शालीनता (Public
Decency) बनाये रखने के लिये मनुष्यों की वस्त्र-
-प्रयोग की स्वतन्त्रता पर नियंत्रण लगाना पड़े। धार्मिक
सहिष्णुता की दृष्टि से मनुष्यों के धर्म आचरण
आदि से संबंधित स्वतन्त्रता को मर्यादित करना पड़े।

मूल्यांकन :-

वस्तुतः समाज का स्वरूप अब इतना जटिल हो गया है कि उसमें प्रायः कोई भी मामला ऐसा नहीं रह गया है, जिसे पूर्णतया व्यक्तिगत कहा जा सके। इसीलिये व्यक्ति के सभी कार्यों पर राज्य का नियंत्रण किसी न किसी रूप में आवश्यक व वांछनीय समझा जाता है। समाजवादी विचारधारा का मूल आधार ही यही है कि व्यक्ति के किसी काम का प्रभाव उसी तक सीमित नहीं रहता है। चूँकि उसके सभी कार्यों का प्रभाव आवश्यक रूप से समाज पर पड़ता है, इसलिये इस विचारधारा की यह मान्यता है कि व्यक्ति के सभी कार्यों से संबंधित स्वतन्त्रता राज्य द्वारा निर्देशित स्वतंत्रता होनी चाहिये। इस प्रकार व्यक्तिवादी सिद्धान्त पर आधारित व्यक्तिगत स्वतन्त्रता के विचार को अब आदर्श मान्यता प्राप्त नहीं रह गई है। तथापि इस विचार में इतनी सत्यता अवश्य है कि जिन बातों का संबंध किसी एक व्यक्ति से ही हो उनके विषय में उसे पूर्ण स्वतन्त्रता प्राप्त नहीं होनी चाहिये

FEBRUARY

28

FRIDAY

Important Works	Appointments	Phones
त्याग मानव	होने के अधिकार	का त्याग है
यह मानवता के	अधिकार का	त्याग है, यह
मानवता के	अधिकार और	कर्तव्यों का
परित्याग है	।"	

मनुष्य के वैयक्तिक कार्य अनेक प्रकार के हो सकते हैं- उदाहरणार्थ, मनुष्य भोजन करता है, कपड़े पहनता है, धर्म का पालन करता है अपनी आजीविका कमाता है अथवा अन्य अनेक ऐसे ही कार्य करता है, जिनका सम्बन्ध उसके व्यक्तित्व से होता है। व्यक्तिगत स्वतन्त्रता के समर्थकों के मतानुसार इनसे संबन्धित कार्यों में मनुष्य को पूर्ण स्वतन्त्रता प्राप्त होनी चाहिये। व्यक्तिवादी तथा बहुलवादी विचारकों ने स्वतंत्रता के इसी रूप का प्रबल समर्थन करते हुये यह प्रतिपादित किया है कि मनुष्य के हित की साधना के लिये यह अत्यन्त आवश्यक है कि उसकी व्यक्तिगत स्वतन्त्रता अक्षुण्ण बनी रहे तथा राज्य संस्था उसके व्यक्तिगत मामलों में किसी प्रकार का हस्तक्षेप न करे। उन्होंने इस स्वतन्त्रता का पुरजोर समर्थन किया है।

क्षेत्र:-

व्यक्तिगत स्वतन्त्रता सामान्य स्वतन्त्रता की एक महत्वपूर्ण किस्म है। इसका निर्देश जीवन के उन क्षेत्रों में विकल्प की स्वतन्त्रता के प्रयोग के अवसर की ओर है जहाँ उसके प्रयासों के परिणामस्वरूप मुख्यतः उसी को प्रभावित करते हैं क्योंकि वह हमेशा एकान्त में रहा करता है। Laski का कहना है- "निजी स्वतन्त्रता वह पहलू है जिसका सार उस व्यक्ति के आत्म के लिये मुख्यतया वैयक्तिक है। यह जीवन के निजी सम्बन्धों में पूर्णतया अपने-आप होने का अवसर है। यह स्वतं व्यावहारिक रूप में उन सुरक्षा उपायों का प्रयोग करने का अवसर है, जिनको विकास उन ...